पुनः विश्व गुरू बनेगा भारत–दादी जानकी

आबू रोड, 27 जनवरी, निसं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के मुख्यालय शांतिवन में 60वें गणतन्त दिवस को धूमधाम से मनाया गया। झंडारोहण के पश्चात लोगों को सम्बोधित करते हुए संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही पूरे विश्व का मार्ग दर्शक रहा है। यहॉं की संस्कृति, एकता और वसुधैव कुटुम्बकम का भाव पूरी दुनियां को सहज ही आकर्षित करता रहा है। भारत की बढ़ती सामारिक और आर्थिक शक्ति के साथ मानवीय मूल्यों की परम्परा बढ़ायें तो जल्द ही पूरे संसार में विश्व गुरू में रूप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित कर लेगा।

आगे उन्होंने कहा कि आज भारत की तस्वीर बदल चुकी है। पूरी दुनियां भारत के उभरते हुए भविष्य को देख रही है। परन्तु हमें एकता और मानवीय मूल्यों के प्रतिष्ठा से एक ऐसे समाज का गणतन्त्र दिवस मनाने की आवश्यकता है। जिसके लिए पूरी दुनियां में उद्यम किये जा रहे हैं। उन्होंने खुशी के साथ–साथ चिन्ता भी व्यक्त की और कहा कि समाज में फैलते अपराध और कुरीतियों के धुंध के कारण भारत की प्रतिष्ठा को आघात लगा है। हमारे देश की छवि एक ऐसे देश के रूप में पहचानी जाती रही है जिसमें पूरे संसार का भविष्य दिखता रहा है। इसलिए आज आवश्यकता है कि उन मूल्यों को वापस पुनर्स्थापित करने का प्रयास करें जिसके लिए आजादी की सांस मिली है।

इस अवसर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हमारा देश सोने की चिड़िया था और आगे भी बनेगा। हमारे देश में ऐसी प्रतिभायें है जो पूरे विश्व के हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही है। अब जरूरत है कि ऐसे समाज की रचना करने में पहल करें जिसके लिए सपने देखे जाते रहे हैं। न्यायविद प्रभाग के अध्यक्ष ब्र0 कु0 रमेश साह ने कहा कि आजादी की सम्पूर्णता का अर्थ यही है हमारे देश में सभी लोग खुशहाल और निर्भय होकर अपने जीवन का आनन्द ले। परन्तु आज भय के कारण लोगों का जीवन सिकुड़ता जा रहा है। संस्था के मीडिया प्रवक्ता ब्र0 कु0 करूणा ने कहा कि आज पूरे संसार में फैल रहे दूषित वातावरण को समाप्त कर नये का सृजन करना ही सच्चे गणतंत्र की निशानी है।

शांतिवन प्रबन्धक ब्र0 कु0 भूपाल, संस्था की ब्र0 कु0 मुन्नी बहन, इशू दादी सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये। प्रात: काल आध्यात्मिक प्रवचन के बाद पूरे भारत के नक्शे को अनाजों से बनयी गयी कलाकृतियों के बीच सजाये झंडे की रस्सी खिंचा तो पूरा माहौल खुशी से झूम उठा। फिर राष्ट्रीय गान प्रस्तुत हुआ जिसमें सभी ने देश तथा समाज की खुशहाली के लिए दुआयें मांगी।